# एन.एन. घोष सनातन टीचर ट्रेनिंग कॉलेज

जमुआरी, कांके, रांची, झारखंड

**कार्यक्रम प्रतिवेदन**

## “विचार एवं चिंतन”

### विषय - “सुमति और कुमति”




*सभी प्रतिभागियों एवं अतिथि वक्ताओं के साथ सामूहिक चित्र*

## कार्यक्रम एक नज़र में

| | |
|---|---|
| **कार्यक्रम** | “विचार एवं चिंतन” |
| **विषय** | “सुमति और कुमति” |
| **दिनांक** | 06 अक्टूबर 2026 (मंगलवार) |
| **स्थान** | एन.एन. घोष सनातन टीचर ट्रेनिंग कॉलेज परिसर, जमुआरी, कांके, रांची |
| **मुख्य वक्ता** | प्रोफेसर डॉ. एस. के. राय (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय); प्रोफेसर (डॉ.) जंग बहादुर पांडे (पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, रांची विश्वविद्यालय) |
| **स्वागत** | डॉ. धनंजय प्रसाद, प्राचार्य |

| | |
|---|---|
| **धन्यवाद ज्ञापन** | श्री विकास वर्धन |

## कार्यक्रम का परिचय

एन.एन. घोष सनातन टीचर ट्रेनिंग कॉलेज परिसर में “विचार एवं चिंतन” कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय “सुमति और कुमति” था। कार्यक्रम में प्रख्यात शिक्षाविदों एवं विद्वान वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को जीवन-मूल्यों, शिक्षक के आचरण तथा सफल शिक्षक बनने के आवश्यक गुणों के प्रति जागरूक करना था।

## स्वागत

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. धनंजय प्रसाद ने मुख्य अतिथि एवं वक्ताओं का स्वागत किया तथा उनके महाविद्यालय आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक होते हैं। प्राचार्य ने आशा व्यक्त की कि विद्वान वक्ताओं के अनुभव एवं मार्गदर्शन से विद्यार्थी तथा शिक्षक लाभान्वित होंगे और भावी शिक्षक के रूप में अपने आचरण एवं व्यक्तित्व को और अधिक श्रेष्ठ बना सकेंगे। उन्होंने सभी उपस्थित जनों से वक्ताओं के विचारों को ध्यानपूर्वक सुनने तथा उन्हें अपने जीवन में उतारने का आग्रह किया।

## वक्ताओं के विचार

कार्यक्रम के प्रथम वक्ता प्रोफेसर डॉ. एस. के. राय, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, ने रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों एवं जीवन-दर्शन पर अत्यंत सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने रामचरितमानस में निहित जीवन-मूल्यों, आदर्श आचरण एवं मानवीय गुणों को दैनिक जीवन से जोड़ते हुए समझाया। उनका वक्तव्य विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा।

इसके पश्चात प्रोफेसर (डॉ.) जंग बहादुर पांडे, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, रांची विश्वविद्यालय, ने हिंदी में अपना प्रभावशाली एवं चिंतनपरक वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षक के आचरण, व्यक्तित्व, जिम्मेदारियों तथा एक सफल शिक्षक के गुणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनका वक्तव्य अत्यंत सरल, सहज और व्यावहारिक था, जिससे उपस्थित सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक स्वयं को सहज रूप से जोड़ सके। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शिक्षक केवल विषय का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला मार्गदर्शक होता है।

दोनों विद्वान वक्ताओं के विचारों ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को गहराई से प्रभावित किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सभागार में एकाग्रता एवं उत्साह का वातावरण बना रहा। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विद्वान वक्ताओं के अनुभव एवं विचारों को सुनकर अत्यंत आनंद एवं प्रेरणा का अनुभव किया।

## उपस्थिति

कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण डॉ. भोलानाथ तिवारी, स्मिता डुंगडुंग, मणि शर्मा, आचार्य विवेकानंद (योग प्रशिक्षक), संतोष प्रसाद (पुस्तकालयाध्यक्ष) तथा पवन रजक (कार्यालय सहायक) सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन

कार्यक्रम के अंत में श्री विकास वर्धन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने दोनों विद्वान वक्ताओं, प्राचार्य, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

अंततः राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का गरिमापूर्ण समापन हुआ। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, चिंतन, जीवन-मूल्यों एवं शिक्षक-धर्म की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक रहा।

## छायाचित्र




*विद्वान वक्ता का संबोधन*




*कार्यक्रम के दौरान संबोधन*




*वक्ता का वक्तव्य*




*मंच पर अतिथि वक्ता एवं संबोधन का क्षण*




*उपस्थित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी*




*अतिथि वक्ता के साथ पुस्तक भेंट का क्षण*

**IQAC समन्वयक** **प्राचार्य**